मीडिया -4

Syllabus
M.A. (Hindi) Part-II
Semester III & IV
2020-21 और 2021-2022
एम.ए. भाग–दूसरा (समैस्टर–तीसरा)

तीसरे समैस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से प्रथम तीन अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी किसी एक विकल्प को चुनकर उसका अध्ययन करेंगे। प्रत्येक पेपर की बाह्य परीक्षा के 75 अंक होंगे व 25 अंक विभागीय आंतरिक मूल्यांकन पर आधारित होंगे।

पत्रों की रूपरेखा

पेपर पहला : आधुनिक हिन्दी काव्य–1

पेपर दूसरा : भारतीय काव्यशास्त्र

पेपर तीसरा : हिन्दी नाटक और निबंध

पेपर चौथा : वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प 1. मोहन राकेश : विशेष अध्ययन

विकल्प 2. हिन्दी आलोचना और आलोचक

विकल्प 3. कबीर : विशेष अध्ययन

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर पहला

आधुनिक हिन्दी काव्य–1

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

(1) मैथिलीशरण गुप्त, 'साकेत' (केवल नवम् सर्ग) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

(2) जयशंकर प्रसाद – 'कामायनी' (केवल चिन्ता सर्ग), राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

(3) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – 'राग विराग' काव्य संग्रह (सं. रामविलास शर्मा), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। (तीन कविताएं :– जागो फिर एक बार :2, राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता)।

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो–दो व्याख्याएँ 'अथवा' के विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों कवियों की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है।

अंक – 6X3 =18

2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के संपूर्ण संदर्भ तथा उसके संपूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हों।

अंक – 9X3 =27

3. छह लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

अंक –6X5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. साकेत : एक अध्ययन– डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन– डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
3. प्रसाद प्रतिभा– इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी बुक सैंटर, दिल्ली।
4. निराला : रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. निराला : एक आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर दूसरा–भारतीय काव्यशास्त्र

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. काव्य का स्वरूप, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु और काव्यभेद : महाकाव्य, खंडकाव्य, गीति काव्य।

2. शब्द–शक्तियां : अभिधा, लक्षणा और व्यंजना।

3. छह संप्रदाय : अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, रस, ध्वनि और औचित्य। रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना जरूरी होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के दिए जाएंगे, जिनका उत्तर छह–सात पंक्तियों में अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न – 10×4=40

सात लघु प्रश्न – 5×7=35

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. भारतीय काव्य शास्त्र : डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र : सत्यदेव चौधरी और शान्तिस्वरूप गुप्त।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala

पेपर तीन : हिन्दी नाटक और निबन्ध

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. मोहन राकेश – 'आधे अधूरे', राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. स्वदेश दीपक –'कोर्ट मार्शल', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. रामचंद्र शुक्ल – 'चिंतामणि', पाँच निबन्ध (श्रद्धा–भक्ति, करूणा, क्रोध, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था साधारणीकरण और व्यक्ति– वैचित्र्यवाद)

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18

2. निर्धारित लेखकों/रचनाओं से सम्बद्ध 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 9×3=27

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

3. छह लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एडं सन्स।

2. रंगमंच और नाटक की भूमिका : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

3. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : रामजन्म शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. आधुनिक हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।

5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।

6. मोहन राकेश रंग–शिल्प और प्रदर्शन, जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर चार : (विकल्प–1)

मोहन राकेश : विशेष अध्ययन

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. 'अंधेरे बन्द कमरे' (उपन्यास) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2. मेरी प्रिय कहानियाँ,(कहानी संग्रह) राजपाल एडं सन्ज, दिल्ली।

3. आषाढ़ का एक दिन (नाटक), राजपाल एडं सन्ज, दिल्ली।

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों पुस्तकों की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18

2. निर्धारित लेखक/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो।

9×3=27

3. छह लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. डॉ. दशरथ ओझा : हिन्दी नाटक की रूपरेखा, हिन्दी साहित्य संसार प्रकाशन, दिल्ली।

2. उर्मिला मिश्र, आधुनिकता और मोहन राकेश, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. सुंदर लाल कथूरिया (सं) नाटककार मोहन राकेश, कुमार प्रकाशन दिल्ली।

4. गोविन्द चातक, आधुनिक नाटक का मसीहा – मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।

5. गोरधन शेखावत : मोहन राकेश की कहानी यात्रा, चिन्मय प्रकाशन, दिल्ली।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर चार : (विकल्प–2)
हिन्दी आलोचना और आलोचक

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. हिन्दी आलोचना का विकास : भारतेन्दु से महावीर प्रसाद द्विवेदी तक (सामान्य अध्ययन)

2. भारतेन्दु के श्रेष्ठ निबन्ध सम्पा. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन (वितरक), इलाहाबाद (मात्र छह निबन्ध : जातीय संगीत, लेखक और नागरी–लेखक, नाटक अथवा दृश्य काव्य सिद्धांत विवेचन, हिन्दी भाषा, हिन्दी कविता, वैष्णवता और भारतवर्ष)

3. साहित्य विचार (महावीर प्रसाद द्विवेदी) सम्पा. भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। (मात्र दस निबन्ध : कवि–कर्त्तव्य, कवि और कविता, कवि बनने के लिए सापेक्ष साधन, कविता का भविष्य, आजकल के हिन्दी कवि और कविता, विचार–विपर्यय, उपन्यास–रहस्य, समालोचना, हिन्दी नवरत्न, नाट्यशास्त्र)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें निर्धारित दोनों पुस्तकों से 'अथवा' रूपी विकल्प सहित छः गद्यांश दिये जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थी तीन प्रसंगों की व्याख्या करेगा। 6×3=18

2. प्रश्न पत्र के दूसरे खण्ड में 'हिन्दी आलोचना का विकास : भारतेन्दु से महावीर प्रसाद द्विवेदी तक (सामान्य परिचय) से दो दीर्घ प्रश्न अथवा रूपी विकल्प सहित और निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/आलोचकों से चार दीर्घ प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

सहित पूछे जायेंगे, इस प्रकार कुल छह प्रश्नों में से परीक्षार्थी को तीन का उत्तर देना होगा। 9×3=27

3. तीसरे खण्ड में बिना किसी विकल्प के छह लघु प्रश्नों के उत्तर छह–सात पंक्तियों में देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग : उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala

पेपर चार : (विकल्प–3)
कबीर : विशेष अध्ययन

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

कबीर ग्रन्थावली : सम्पा. श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।)

1. साखी : भाग– 1, 2, 3, 4, 11, 12, 13, 16, 21 कुल 9

2. पदावली : संख्या 51 से 100 तक

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें निर्धारित पुस्तक से अथवा रूपी विकल्प सहित छह पद्यांश दिये जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थी तीन प्रसंगों की व्याख्या करेगा। (6×3=18)

2. प्रश्न पत्र के दूसरे खण्ड में 'कबीर दास से सम्बन्धित' छह प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थी को तीन का उत्तर देना होगा। (9×3=27)

3. तीसरे खण्ड में बिना किसी विकल्प के छह लघु प्रश्नों के उत्तर छह–सात पंक्तियों में देना अनिवार्य होगा। (5×6=30)

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. कबीर : सम्पा. विजयेंद्र स्नातक, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन कानपुर।
3. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, प्रयाग।
4. कबीर का लोकतात्विक चिन्तन : सुखविन्दर कौर बाठ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. कबीर : एक अनुशीलन : रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
6. कबीर मीमांसा : रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

एम.ए. भाग–दूसरा (समैस्टर–चौथा)

चौथे समैस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से प्रथम तीन अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी किसी एक विकल्प को चुनकर उसका अध्ययन करेंगे। प्रत्येक पेपर की बाह्य परीक्षा के 100 अंक होंगे व 75 अंक विभागीय आंतरिक मूल्यांकन पर आधारित होंगें।

पत्रों की रूपरेखा

पेपर पहला : आधुनिक हिन्दी काव्य–2

पेपर दूसरा : पाश्चात्य काव्य–शास्त्र

पेपर तीसरा : प्रयोजनमूलक हिन्दी

पेपर चौथा : वैकल्पिक अध्ययन :

विकल्प 1. हिन्दी आलोचना और आलोचक

विकल्प 2. तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

विकल्प 3. लोक साहित्य : सैद्धान्तिक अध्ययन

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर एक – आधुनिक हिन्दी काव्य–2

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक
लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

1. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (काव्य संग्रह), केवल एक कविता (असाध्य वीणा) विद्यानिवास मिश्र।

2. मुक्तिबोध : चाँद का मुँह टेढ़ा है (केवल तीन कविताएँ : भूल–गलती, ब्रह्मराक्षस, दिमागी गुहान्धकार का ओराँगउटाँग), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।

3. धूमिल : संसद से सड़क तक (केवल चार कविताएँः अकाल–दर्शन, शान्ति–पाठ, मोचीराम, मुनासिब कारवाही

4. कुमार विकल :एक छोटी सी लड़ाई, 'काव्य संग्रह', सम्भावना प्रकाशन, हापुड़। केवल पाँच कविताएं :– एक लड़ाई समानांतर, एक छोटी सी लड़ाई, चम्बा की धूप, डरा हुआ आदमी, ये सब कैसे होता है।

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक पुस्तक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के शत प्रतिशत विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों कवियों की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो।

9×3=27

3. छह लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों, सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग – श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2. अज्ञेय : वागर्थ का वैभव – रमेशचंद्र शाह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

3. मुक्तिबोध एक अवधूत कविता – नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता – डॉ. लल्लनराय, मन्थन पब्लिशर्स

5. मुक्तिबोध की काव्य चेतना और मूल्य संकल्प – डॉ. हुकमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

6. दूसरे प्रजातंत्र की तलाश में धूमिल – कुमार कृष्ण, साहित्य निधि, दिल्ली।

7. कटघरे का कवि धूमिल – गणेश तुलसीराम अष्टेकर, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर दो–पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. अरस्तू का त्रासदी–विवेचन, अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत। लोंजाइनस का उदात्त तत्त्व। टी. एस. इलियट का मूर्त्त–विधान। आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत। सार्त्र का अस्तित्ववाद। क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद और नई समीक्षा। विशिष्ट प्रवृत्तियां : मनोविश्लेषण और प्रगतिवाद।

2. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की समीक्षा (निर्धारित विधाएं–उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, आलोचना : परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व व प्रकार से संबंधित प्रश्न किए जायेंगे।)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना जरूरी होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के दिए जाएंगे, जिनका उत्तर छह–सात पंक्तियों में अनिवार्य है।

अंक विभाजन
चार दीर्घ प्रश्न – 10×4=40
सात लघु प्रश्न – 5×7=35

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र– देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. पाश्चात्य समीक्षा की रूपरेखा – प्रताप नारायण टंडन, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर तीन : प्रयोजनमूलक हिन्दी

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. कामकाजी हिंदी : हिंदी के विभिन्न रूप– मातृभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा। कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्यः प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण। पारिभाषिक शब्दावली– विशेषताएं। पारिभाषिक शब्दावली– निर्माण के सिद्धांत।

2. संचार माध्यमों की हिंदी :

पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां।

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप– मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।

हिंदी कप्यूटिंग : कंप्यूटर– परिचय, रूपरेखा और उपयोग।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

3. अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार। अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। व्यावहारिक : अनुवाद– अभ्यास
(अंग्रेजी/पंजाबी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी/पंजाबी)

4. शोध–प्रविधि – अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनका छह–सात पंक्तियों तक सीमित उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन
चार दीर्घ प्रश्न – 10×4=40
सात लघु प्रश्न – 5×7=35

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
4. अनुवाद : सिद्धांत व व्यवहार : जयंती प्रसाद नौटियाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रामप्रकाश/दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. जन पत्रकारिता, जन संचार : सूर्य प्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
7. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार : चन्द्रप्रकाश मिश्रा, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
9. हिन्दी शोध तन्त्र की रूप रेखा : मनमोहन सहगल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
10. शोध : स्वरूप एवं मानक : व्यावहारिक कार्यविधि – बैजनाथ सिंहल, मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala

पेपर चार : विकल्प एक : हिन्दी आलोचना और आलोचक

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. हिन्दी आलोचना का विकास : शुक्ल युग से अद्यतन (सामान्य अध्ययन)

2. निर्धारित आलोचक :

(क) रामचन्द्र शुक्ल
(ख) रामविलास शर्मा
(ग) डॉ. इन्द्रनाथ मदान
(घ) डॉ. रमेशकुन्तल मेघ

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

(क) इस पेपर के प्रथम भाग (हिन्दी आलोचना का विकास : शुक्ल युग से अद्यतन–सामान्य अध्ययन) से दो प्रश्न 'अथवा' रूप में शत–प्रतिशत विकल्प सहित पूछे जायेंगे तथा छह प्रश्न निर्धारित आलोचकों से सम्बन्धित 'अथवा' रूप से शत–प्रतिशत विकल्प सहित पूछे जायेंगे। इस प्रकार कुल आठ प्रश्नों में से परीक्षार्थी को चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। (10×4=40)

(ख) सात लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (5×7=35)

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2. आचार्य रामचन्द्रशुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।

3. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4. बीसवीं सदी की हिंदी आलोचना : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

5. समकालीन हिन्दी समीक्षा : हुकमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

6. आलोचना और हिन्दी साहित्य : इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

7. आलोचक का दायित्व : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर चार : विकल्प दो : तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

कुल अंक : 100 | पास प्रतिशत : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक | आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9

लिखित परीक्षा : 75 अंक | लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26

समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड संपूर्ण

2. कवितावली : अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

(क) प्रथम प्रश्न व्याख्या से संबंधित होगा, इसमें छह व्याख्याएं दी जाएंगी जिसमें तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होंगी। (6×3=18)

(ख) दूसरे खण्ड में तुलसीदास से संबंधित छह प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को तीन का उत्तर देना होगा। (9×3=27)

(ग) तीसरे खण्ड में बिना किसी विकल्प के छह लघु प्रश्नों के उत्तर छह–सात पंक्तियों में देना अनिवार्य होगा। (5×6=30)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र और तुलसीदास : रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

2. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

3. तुलसी : सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

पेपर चार : विकल्प तीन : लोक साहित्य : सैद्धान्तिक अध्ययन

कुल अंक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित परीक्षा : 75 अंक

पास प्रतिशत : 35
आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के लिए कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

क. लोक और लोक–वार्ता तथा लोक–विज्ञान

लोक–संस्कृति : अवधारणा, लोक–वार्ता, लोक–संस्कृति और साहित्य

ख. लोक–साहित्य : अवधारणा

लोक–साहित्य के संकलन की समस्याएं

लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण :

लोक–गीत, लोक–नाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक–संगीत

ग. लोक–गीत : संस्कार–गीत, व्रत–गीत, श्रम–गीत, ऋतु–गीत, जाति–गीत।
लोक–नाट्य : रामलीला, रासलीला, यक्षगान, विदेसिया, भांड, तमाशा, नौटंकी

लोक–भाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियां

पंजाब का लोक साहित्य : सामान्य परिचय

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.

छात्रों व परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना किसी विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनका उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हो।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न – 10×4=40

सात लघु प्रश्न – 5×7=35

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. लोक संस्कृति की रूपरेखा : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

2. लोक संस्कृति और इतिहास : बद्री नारायण, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. लोक साहित्य, सिद्धांत और प्रयोग : श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

4. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

5. लोक साहित्य और संस्कृति : सुखविन्द्र कौर बाठ, शिवहरि प्रकाशन, दिल्ली।

6. पंजाब के संस्कारगत लोकगीतों का विश्लेषण : सुखविन्द्र कौर बाठ, अमर प्रकाशन, गाज़ियाबाद।

Head
Hindi Department
Punjabi University, Patiala.